IMMANUEL
ALBERTINEN
DIAKONIE

इमानुएल आल्बर्टीनेन मसीही सेवा का मार्गदर्शक सिद्धांत

इमानुएल आल्बर्टीनेन मसीही सेवा का मार्गदर्शक सिद्धांत बताता है कि हम स्वयं को किस स्वरूप में देखते हैं और हम किन बुनियादी उसूलों पर चलते हैं। यह हमारे पेशेवर आचरण को दिशा देता है और स्पष्ट करता है कि कंपनी और सहकर्मियों के तौर पर हम क्या पाने के लिए प्रयासरत हैं। यह दर्शाता है कि हम जिन लोगों से संबंध रखते हैं, उनके साथ व्यवहार करते समय हमारे लिए क्या महत्त्वपूर्ण है। हम चाहते हैं कि हमारा मूल्यांकन इस आधार पर किया जाए कि यह मार्गदर्शक सिद्धांत आम जीवन के लिए कितना व्यावहारिक है।

“जो कुछ तुम चाहते हो कि मनुष्य तुम्हारे साथ करें, तुम भी उनके साथ वैसा ही करो।”

बाइबल: मत्ती 7,12

परोपकार हमारी रगों में बसा हुआ है।

- हम मानव कल्याण और एक न्यायसंगत संसार के लिए कार्य करते हैं।
- हम मानव और संसार को मसीही अवधारणा के अनुसार ढालने के लिए प्रयासरत हैं।
- सक्रियता के साथ परोपकार की भावना हमें एक करती और जोड़ती है।

मानव ही हमारे प्रयासों का केंद्रबिंदु हैं।

- हम जीवन की सभी अवस्थाओं में मानवों का साथ देते हैं।
- हम प्रत्येक व्यक्ति के महत्त्व और स्वायत्तता का ख्याल रखते हैं।
- हम सभी के साथ सम्मानजनक और कृतज्ञतापूर्ण तरीके से पेश आते हैं।
- हम दूसरों और अपने कल्याण की चिंता करते हैं और उसका ख्याल रखते हैं।

हम मिल-जुलकर काम करते हैं

- हम एक समुदाय का हिस्सा हैं और अपने मसीही मिशन की सफलता में योगदान करते हैं।
- हम अपनी विविधता और अपनी भिन्नताओं का सम्मान करते हैं।
- हम पूरे भरोसे के साथ हाथों में हाथ डाल कर काम करते हैं।
- हम अपनी परंपराओं का सम्मान करते हैं और नई चीज़ों के लिए खुलेपन का दृष्टिकोण रखते हैं।

हम मसीही सेवा को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ते हैं।

- हमारा मिशन है, मसीही सेवा को अपनाते हुए व्यापार करना।
- हम अपनी आर्थिक सफलता का उपयोग मानव कल्याण के लिए करते हैं।
- हम लगातार बेहतर बनना चाहते हैं और इस प्रयास में अपनी मानवीय सीमाओं को स्वीकार करते हैं।
- हम स्थायित्व प्राप्त करने और अपने संसाधनों के साथ जिम्मेदाराना तरीके से पेश आने का प्रयास करते हैं।

07/2024 · HI